प्रवासी सम्मेलन आर्थिक योगदान को राष्ट्रीय विकास से जोड़ने का बहुत बड़ा माध्यम

राजस्थान भक्ति, शक्ति और लक्ष्मीपुत्रों की धरती

मातृभूमि का कर्ज चुकाने प्रवासी राजस्थान में निवेश के लिए आगे आएं– राज्यपाल

जयपुर, 10 दिसंबर। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने प्रवासी राजस्थानियों का आह्वान किया है कि वे मातृभूमि का कर्ज चुकाने यहां अधिक से अधिक निवेश करें। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों ने राजस्थान के सामाजिक–आर्थिक ढांचे को मजबूत करने में सदा मदद की है। प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन राजस्थान के प्रवासियों के आर्थिक योगदान को राष्ट्रीय विकास से जोड़ने का बहुत बड़ा माध्यम हैं। उन्होंने राजस्थान को भक्ति और शक्ति के साथ लक्ष्मीपुत्रों की धरती बताया। उन्होंने महाकवि कन्हैयालाल सेठियाजी की पंक्तियां 'धरती धोरा री' सुनाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा प्रवासी राजस्थानियों को राजस्थान में स्थाई वास कराने की भी पहल करें। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी पहल से एक साथ इतने प्रवासी राजस्थानियों का यह भव्य सम्मेलन भविष्य के लिए बहुत बड़ी निवेश संभावनाएं लिए है।

राज्यपाल श्री बागडे ने प्रवासी राजस्थानियों का आह्वान किया कि वे राजस्थान आएं, यहां उन्हें मानव शक्ति और जमीन आदि सभी सुविधाएं समयबद्ध प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान अब सूखा क्षेत्र नहीं है। यह हरा भरा क्षेत्र है।

श्री बागडे बुधवार को राजस्थानी प्रवासी दिवस पर आयोजित सम्मेलन में सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा, पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाबचंद कटारिया, केंद्रीय उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री पीयूष गोयल, विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी, उप मुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी, श्री प्रेमचंद बैरवा, उद्योग मंत्री श्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ आदि की उपस्थिति में राज्यपाल श्री बागडे ने वाल्मीकि रामायण का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि जब भगवान श्री राम ने लंका विजय की तो सोने की लंका की लक्ष्मण ने प्रशंसा की। इस पर श्री राम ने कहा कि सोने की लंका मुझे नहीं सुहाती। श्री राम ने कहा 'जननी जन्म भूमि स्वर्गादपि गरीयसी'। जननी और जन्म भूमि स्वर्ग से भी महान होती है। उन्होंने मातृभूमि राजस्थान के विकास के लिए प्रवासियों को यहां हर क्षेत्र में सहयोग करने, उद्यमिता से युवाओं को रोजगार देने के प्रयासों में भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने राजस्थान की अपनत्व भरी 'पधारो म्हारे देश' की संस्कृति की चर्चा करते हुए कहा कि प्रदेश तेजी से विकास की ओर आगे बढ़ रहा है। प्रवासी यहां पधारें। उनका स्वागत और अभिनंदन हैं।

राज्यपाल श्री बागडे ने इससे पहले मुख्यमंत्री श्री शर्मा और पंजाब के राज्यपाल श्री कटारिया के साथ राज्य में निवेश करने वाले विशिष्ट उद्यमियों को उनके योगदान के लिए सम्मानित भी किया। उन्होंने प्रवासी सम्मेलन पर प्रकाशित पुस्तक का लोकार्पण किया और राजस्थान के बारे में निर्मित फिल्म का भी बटन दबाकर शुभारम्भ किया। सम्मेलन में विभिन्न विभागों द्वारा राजस्थान के विकास को प्रदर्शित करती ऑडियो वीडियो कला दीर्घा का भी उन्होंने वहां पहुंचने पर अवलोकन किया।

———

हमारी विरासत, हमारा राजस्थान